शिक्षण पाठ योजना

सिमेस्टर – I

MJ 1 - हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल) **व्याख्यान घंटे : 60**

उद्देश्य : पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा:

1. विद्यार्थी 11वीं शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्द्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक सन्दर्भ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।
2. हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य के साहित्यकारो और उनकी रचनाओ के बारे में जान सकेंगे।
4. हिंदी के भागवत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे ।

क्र . सं	प्रस्तावित संरचना	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्येतिहास में काल विभाजन और नामकरण की समस्या।	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
ईकाई-II	आदिकाल का नामकरण और कालसीमा, आदिकालीन काव्य- प्रवृतियाँ, मिद्ध साहित्य, आाथ साहित्य, सभी काव्य परम्परा, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।प्रमुख रचनाकार- विद्यापति, अमीर खुसरो	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
ईकाई-III	भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियां, संतकाव्य परम्परा, सूफीकाव्य परम्परा, कृष्णकाव्य परम्परा , रामकाव्य परम्परा । प्रमुख कवि- कबीस्वास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार

<u>अनुशंसित पुस्तके :-</u>

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नागेन्द्र (सं)

- द्वारा तैयार

सुश्री प्रतिमा परधिया